अध्याय

07

# लोकतंत्र के परिणाम

लोकतांत्रिक सरकार जनता के लिए उत्तरदाई होती है और नागरिकों की उम्मीदों और मांगों पर ध्यान देती है। लोकतांत्रिक सरकार में आम सहमति के बिना कोई फैसला नहीं लिया जाता है इसलिए अहम फैसले लेने में देर लगती है लेकिन आलोकतांत्रिक सरकार में फैसले तेजी से लिए जाते हैं क्योंकि आम सहमति बनाने की कोई जरूरत नहीं होती लेकिन ऐसे फैसले जनता को मंजूर नहीं होते।

**लोकतंत्र की विशेषताएं**

- लोकतंत्र सरकार का बेहतर रूप है क्योंकि यह नागरिकों में समानता को बढ़ावा देता है।
- यह व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है।
- यह निर्णय लेने की गुणवत्ता में सुधार करता है।
- यह टकराव को टालने, संभालने का तरीका प्रदान करता है।
- यह गलतियों को सुधारने का अवसर प्रदान करता है।

© JCERT not to be republished

लोकतंत्र में इस बात की व्यवस्था होती है कि फैसले कुछ कायदे कानून के अनुसार होंगे और अगर कोई नागरिक यह जानना चाहे कि फैसले लेने में नियमों का पालन हुआ है या नहीं, तो वह इसका पता कर सकता है। उसे यह ना सिर्फ जानने का अधिकार है बल्कि इसके साधन भी उपलब्ध है इसे पारदर्शिता कहते हैं।

**उत्तरदायी, जिम्मेदार और वैध शासन**

लोकतंत्र में सरकार एक नियमित स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के माध्यम से चुनी जाती है।

लोगों के प्रतिनिधियों के साथ प्रमुख नीतियों और नए कानूनों पर खुली सार्वजनिक चर्चा के साथ ही कानून की उचित प्रक्रिया का पालन करते हैं।

अगर लोगों को लगता है कि सरकार ने कुछ ऐसा किया है जो संविधान के खिलाफ है तो लोग इसे न्यायपालिका में चुनौती दे सकते हैं।

लोकतंत्र में बातचीत और तोलमोल के आधार पर काम चलता है लोकतांत्रिक सरकार सारी प्रक्रिया को पूरा करने में ज्यादा समय लेती है लेकिन इसने पूरी प्रक्रिया को माना है। इसलिए इस बात की ज्यादा संभावना है कि लोग उसके फैसलों को मानेंगे और वे ज्यादा प्रभावी होंगे।

**लोकतांत्रिक सरकार का प्रभाव**

एक सरकार अपने नागरिकों के लिए जवाबदेह होता है। वह अपने नागरिकों की ओर से किए गए सभी निर्णय के लिए जिम्मेदार होता है।

वैध सरकार ऐसी सरकार है जिसके तहत सरकार के कानून और कार्रवाई लोगों और सरकार के कामकाज को पारदर्शी तरीके से प्रकट करते हैं।

© JCERT not to be republished

लोकतंत्र एक वैध सरकार के रूप में

- लोकतांत्रिक सरकार एक जवाबदेही सरकार है।
- नागरिकों को निर्णय निर्माण प्रक्रिया की जांच करने का अधिकार और साधन प्राप्त होते हैं।
- लोकतंत्र एक जिम्मेदार सरकार है यह नागरिकों के विचारों और उम्मीदों का ध्यान रखती है।
- लोकतांत्रिक सरकार एक वैध सरकार है क्योंकि यह जनता द्वारा चुनी जाती है।

आर्थिक समृद्धि और विकास

- 1950 और 2000 के बीच तानाशाही देशों की आर्थिक विकास दर अधिक रही है।
- आर्थिक विकास विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जैसे-

  1. देश की जनसंख्या का आकार

  2.वैश्विक स्थिति

  3. अन्य देशों से सहयोग

  4.देश द्वारा अपनाई गई आर्थिक नीतियां।
- तानाशाही वाले कम विकसित देशों और लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले कम विकसित देशों के बीच आर्थिक विकास की दरों में अंतर कम है।
- तानाशाही और लोकतांत्रिक शासन वाले देशों के आर्थिक विकास दर में बहुत ज्यादा अंतर है लेकिन इसके बावजूद लोकतांत्रिक व्यवस्था का चुनाव ही बेहतर है क्योंकि इसके अनेक सकारात्मक फायदे हैं।

© JCERT not to be republished

## असमानता और गरीबी में कमी

- आर्थिक असमानता पूरी दुनिया में बढ़ रही है। भारत की जनसंख्या का एक हिस्सा गरीब है। गरीबों और अमीरों की आय के बीच एक बहुत बड़ा अंतर है। लोकतंत्र अधिकांश देशों में आर्थिक असमानता मिटाने में असफल रहा है।
- लोकतंत्र असमानता और गरीबी को कम करने में सक्षम है क्योंकि यह प्रत्येक नागरिक को सामान मतदान अधिकार देकर राजनीतिक समानता सुनिश्चित करता है।
- यह समूह सक्रियता के लिए एक उपयुक्त वातावरण प्रदान करता है जो गरीब लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए समान अवसर प्रदान करता है
- यह समाज के किसी भी वर्ग की आवश्यकता के आधार पर आर्थिक लाभ प्रदान करने का समर्थन करता है।
- यहां सामाजिक समानता सुनिश्चित करने वाले आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव के बिना हर नागरिक के अधिकारों की रक्षा करता है।
- जाति, पंथ, धर्म आर्थिक स्थिति में अंतर के बावजूद मतदान और चुनाव में भाग लेने का समान अधिकार प्रदान करता है।

## सामाजिक विविधताओं में सामंजस्य

- लोकतांत्रिक व्यवस्था से उम्मीद की जाती है कि वह सद्भावना पूर्ण सामाजिक जीवन उपलब्ध कराएगी।
- लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं प्रतिद्वंद्विता को संभालने की प्रक्रिया विकसित कर लेती है। इससे टकराव के विस्फोटक या हिंसक रूप लेने का अंदेशा कम हो जाता है
- कोई भी समाज अपने विभिन्न समूहों के बीच टकराव को पूरी तरह और अस्थाई रूप से खत्म नहीं कर सकता पर इन अंतरों और विवादों का आदर करना सीख सकते हैं और इनके बीच बातचीत से सामंजस्य बिठाने का तरीका विकसित कर सकते हैं इस काम के लिए लोकतंत्र सबसे अच्छा है।
- लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की शर्तें -

1. लोकतंत्र का सीधे-सीधे अर्थ बहुमत की राय से शासन करना नहीं है। बहुमत को सदा ही अल्पमत का ध्यान रखना होता है। उसके साथ काम करने की जरूरत होती है तभी सरकार जन सामान्य की इच्छा का प्रतिनिधित्व कर पाती है ।
2. बहुमत के शासन का अर्थ धर्म, नस्ल अथवा भाषाई आधार के बहुसंख्यक समूह का शासन नहीं होता। बहुमत के शासन का मतलब होता है कि हर फैसले या चुनाव में अलग-अलग लोग और समूह बहुमत का निर्माण कर सकते हैं।
3. लोकतंत्र तभी तक लोकतंत्र रहता है जब तक प्रत्येक नागरिक को किसी ना किसी अवसर पर बहुमत का हिस्सा बनने का मौका मिलता है।

- अगर किसी को जन्म के आधार पर बहुसंख्यक समुदाय का हिस्सा बनने से रोका जाता है तब लोकतांत्रिक शासन उस व्यक्ति या समूह के लिए समावेशी नहीं रह जाता।

© JCERT not to be republished

## नागरिकों की गरिमा और आजादी

- लोकतंत्र ने नागरिकों को गरिमा और आजादी प्रदान की है भारत में कई सामाजिक वर्ग हैं जिन्होंने वर्षों तक उत्पीड़न झेला है लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रिया के फलस्वरुप इन वर्गों के लोग ही आज सामाजिक व्यवस्था में वोट पाए हैं और अपने हक को प्राप्त किए हैं।
- महिलाओं की समानता- लोकतंत्र के कारण ही महिलाएं समान अधिकारों के लिए संघर्ष कर पाई। आज अधिकांश लोकतांत्रिक देशों की महिलाओं को समाज में बराबर का दर्जा मिला हुआ है। तानाशाही देशों में आज भी महिलाओं को समान अधिकार नहीं प्राप्त है।
- जातिगत असमानता- जातिगत असमानता भारत में पाई जाती है लेकिन लोकतंत्र के कारण इसकी संख्या काफी कम है आज पिछड़ी जाति और अनुसूचित जनजाति के लोग भी हर पेशे में शामिल होने लगे हैं।
- लोकतंत्र नागरिकों की गरिमा को निम्न प्रकार से बनाए रखता है -

1. लोकतंत्र सामान एवं स्वतंत्रता की भावना को जन्म देता है।
2. लोकतंत्र में सभी नागरिकों को समान दर्जा प्राप्त है।
3. लोकतंत्र ने महिलाओं को पुरुष के समान दर्जा प्रदान किया है।
4. लोकतंत्र में जाति आधारित समानता एवं क्रूरता का कोई नैतिक एवं कानूनी आधार नहीं है।
5. बहुत समय से स्त्रियों को सामान अधिकार, न्याय और स्वतंत्रता से वंचित रखा गया था मगर लोकतंत्र ने सभी अधिकार सुनिश्चित कर दिए हैं।
6. उचित प्रतिनिधित्व देने से विभिन्न जातीय समूहों के बीच टकराव कम हुआ है।

**लोकतंत्र के अपेक्षित परिणाम**

- सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनाव होने चाहिए।
- चुने गए प्रतिनिधि जनता के प्रति जवाबदेह हों।
- जनता को मौलिक अधिकार प्राप्त हो।
- प्रेस स्वतंत्र हो तथा वह जिम्मेदारीपूर्ण भूमिका निभाए।
- देश की अखंडता एवं संघवाद मजबूत हो।

© JCERT not to be republished

**लोकतंत्र के सामाजिक परिणाम**

- लोकतांत्रिक व्यवस्था सद्भावना पूर्ण जीवन उपलब्ध कराते हैं।
- इसमें सामाजिक टकराव की संभावना कम रहती है।
- व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है।
- लोकतंत्र में समाज के कमजोर वर्गों को समानता का दर्जा देने पर बल दिया जाता है।

© JCERT not to be republished

## प्रश्नावली

**प्रश्न 1. लोकतंत्र किस तरह उत्तरदायी, जिम्मेवार और वैध सरकार का गठन करता है?**

उत्तर: एक लोकतांत्रिक सरकार जनता के लिए जवाबदेह होती है यदि कोई सरकार जनता की उम्मीदों के हिसाब से काम नहीं करती है तो अगले चुनाव में जनता उसे हटा देती है। इसलिए एक लोकतांत्रिक सरकार को जनता के लिए उत्तरदायी होना पड़ता है। ऐसी सरकार को बहुमत से चुना जाता है इसलिए यह एक वैध सरकार होती है।

**प्रश्न 2. लोकतंत्र किन स्थितियों में सामाजिक विविधता को संभालता है और उनके बीच सामंजस्य बैठता है?**

**उत्तर:** लोकतंत्र निम्नलिखित स्थितियों में सामाजिक विविधता को संभालता है और उनके बीच सामंजस्य बैठाता है-

(a) लोकतंत्र विभिन्न भाषा बोलने वाले लोगों को भी अपनी भाषा विकसित करने का मौका देता है।

(b) लोकतंत्र में ही यह संभव है कि चाहे कोई गरीब हो या अमीर वोट करने का अधिकार सबको है।

(c) लोकतंत्र में ही यह संभव है कि पुरुषों के साथ महिलाओं को भी वोट का बराबर अधिकार है।

**प्रश्न 3.** निम्नलिखित कथनों के पक्ष या विपक्ष में तर्क दें :

- औद्योगिक देश ही लोकतांत्रिक व्यवस्था का भार उठा सकते हैं पर गरीब देशों को आर्थिक विकास करने के लिए तानाशाही चाहिए।
- लोकतंत्र अपने नागरिकों के बीच की असमानता को कम नहीं कर सकता।
- गरीब देशों की सरकार को अपने ज्यादा संसाधन गरीबी को कम करने और आहार, कपड़ा, स्वास्थ्य तथा शिक्षा पर लगाने की जगह उद्योगों और बुनियादी आर्थिक ढाँचे पर खर्च करने चाहिए।
- नागरिकों के बीच आर्थिक समानता अमीर और गरीब, दोनों तरह के लोकतांत्रिक देशों में है।
- लोकतंत्र में सभी को एक ही वोट का अधिकार है। इसका मतलब है कि लोकतंत्र में किसी तरह का प्रभुत्व और टकराव नहीं होता।

© JCERT not to be republished

**उत्तर:** यह गलत है कि औद्योगिक देश ही लोकतांत्रिक व्यवस्था का भार उठा सकते हैं हो सकता है कि तानाशाही देशों में आर्थिक दर लोकतांत्रिक देशों से कुछ अच्छी हो परंतु वहां मूल्यों का अभाव होता है निरादर के अच्छे जीवन से आदर का साधारण जीवन कहीं अच्छा है।

**उत्तर:** सरकार द्वारा कई नीतियां शुरू की गई है जो नागरिकों के बीच असमानता को कम कर रही है जैसे न्यूनतम मजदूरी अधिनियम जिसने प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने में मदद की है।

**उत्तर:** गरीब देशों की सरकार को प्राकृतिक और मानव संसाधन दोनों के विकास पर ध्यान देना चाहिए।

**उत्तर:** यह कथन बिल्कुल सही है कि नागरिकों के बीच आर्थिक असमानता और गरीब, दोनों तरह के लोकतांत्रिक देशों में है वास्तविक जीवन में लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं आर्थिक समानता को कम करने में अधिक सफल नहीं हो पाई है।

**उत्तर:** यह कथन सत्य है क्योंकि चुनाव लड़ने वालों को अमीर और गरीब दोनों के वोट चाहिए होते हैं इससे राजनीतिक पार्टियां भी हर एक की भावनाओं को ध्यान में रखती है।

**प्रश्न 4.** नीचे दिए गए ब्यौरों में लोकतंत्र की चुनौतियों की पहचान करें। ये स्थितियाँ किस तरह नागरिकों के गरिमापूर्ण, सुरक्षित और शांतिपूर्ण जीवन सुरक्षित और शांतिपूर्ण जीवन के लिए चुनौती पेश करती हैं।

लोकतंत्र को मज़बूत बनाने के लिए नीतिगत-संस्थागत उपाय भी सुझाऐं :

- उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद ओड़िसा में दलितों और गैर-दलितों के प्रवेश के लिए अलग-अलग दरवाज़ा रखने वाले एक मंदिर को एक ही दरवाज़े से सबको प्रवेश की अनुमति देनी पड़ी।
- भारत के विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या कर रहे हैं।
- जम्मू-कश्मीर के गंडवारा में मुठभेड़ बताकर जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा तीन नागरिकों की हत्या करने के आरोप को देखते हुए इस घटना के जाँच के आदेश दिए गए।

**उत्तर:** उच्च न्यायालय द्वारा एक ही दरवाजे से सब को प्रवेश की अनुमति देना एक उचित और न्याय पूर्ण कार्य है इससे आपसी भेदभाव की भावना कम होगी।

© JCERT not to be republished

**उत्तर:** भारत के विभिन्न राज्यों में जो किसान आत्महत्या कर रहे हैं यह एक गंभीर चिंता का विषय है ऐसा ना हो इसके लिए हमें उन कारणों को जानना होगा जिनके कारण किसान आत्महत्या कर रहे हैं जैसे फसलों का नष्ट हो जाना कचना लौटा पाना आदि।

यह उदाहरण स्वतंत्रता आत्मसम्मान और समानता के अधिकार की चुनौती को दर्शाता है इस मामले में पुलिस और न्यायपालिका को सही कदम उठाने की जरूरत है।

**प्रश्न 5.** लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के संदर्भ में इनमें से कौन-सा विचार सही है - लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं ने सफलतापूर्वक :

- लोगों के बीच टकराव को समाप्त कर दिया है।
- लोगों के बीच की आर्थिक असमानताएँ समाप्त कर दी हैं।
- हाशिए के समूहों से कैसा व्यवहार हो, इस बारे में सारे मतभेद मिटा दिए हैं।
- राजनीतिक गैर बराबरी के विचार को समाप्त कर दिया है।

उत्तर: राजनीतिक गैर बराबरी के विचार को समाप्त कर दिया है।

**प्रश्न 6.** लोकतंत्र के मूल्यांकन के लिहाज से इनमें कोई एक चीज़ लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के अनुरूप नहीं है। उसे चुनें :

(क) स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव

(ख) व्यक्ति की गरिमा

(ग) बहुसंख्यकों का शासन

(घ) कानून से समक्ष समानता

उत्तर: ग

**प्रश्न 7.** लोकतांत्रिक व्यवस्था के राजनीतिक और सामाजिक असमानताओं के बारे में किए गए अध्ययन बताते हैं कि-

- लोकतंत्र और विकास साथ ही चलते हैं।
- लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में असमानताऐं बनी रहती हैं।
- तानाशाही में असमानताएँ नहीं होतीं।
- तानाशाहियाँ लोकतंत्र से बेहतर साबित हुई हैं।

उत्तर: लोकतांत्रिक व्यवस्था में आ समानताएं बनी रहती हैं।

© JCERT not to be republished

**प्रश्न 8. नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़ें:**

नन्नू एक दिहाड़ी मजदूर है। वह पूर्वी दिल्ली की एक झुग्गी बस्ती वेलकम मज़दूर कॉलोनी में रहता है। उसका राशन कार्ड गुम हो गया और जनवरी 2006 में उसने डुप्लीकेट राशन कार्ड बनाने के लिए अर्ज़ी दी। अगले तीन महीनों तक उसने राशन विभाग के दफ़्तर के कई चक्कर लगाए लेकिन वहाँ तैनात किरानी और अधिकारी उसका काम करने या उसके अर्जी की स्थिति बताने की कौन कहे उसको देखने तक के लिए तैयार न थे। आखिरकार उसने सूचना के अधिकार का उपयोग करते हुए अपनी अर्जी की दैनिक प्रगति का ब्यौरा देने का आवेदन किया।

इसके साथ ही उसने इस अर्जी पर काम करने वाले अधिकारियों के नाम और काम न करने की सूरत में उनके खिलाफ़ होने वाली कार्रवाई का ब्यौरा भी माँगा। सूचना के अधिकार वाला

आवेदन देने के हफ़्ते भर के अंदर खाद्य विभाग का एक इंस्पेक्टर उसके घर आया और उसने नन्नू को बताया कि तुम्हारा राशन कार्ड तैयार है और तुम दफ़्तर आकर उसे ले जा सकते हो।

अगले दिन जब नन्नू राशन कार्ड लेने गया तो उस इलाके के खाद्य और आपूर्ति विभाग के सबसे बड़े अधिकारी ने गर्मजोशी से उसका स्वागत किया। इस अधिकारी ने उसे चाय की पेशकश की और कहा कि अब आपका काम हो गया है इसलिए सूचना के अधिकार वाला अपना आवेदन आप वापस ले लें।

नन्नू का उदाहरण क्या बताता है? नन्नू के इस आवेदन का अधिकारियों पर क्या असर हुआ ?

अपने माँ-पिताजी से पूछिए कि अपनी समस्याओं के लिए सरकारी कर्मचारियों के पास जाने का उनका अनुभव कैसा रहा है।

© JCERT not to be republished

## बहुविकल्पीय प्रश्न

1. लोकतंत्र का सबसे अच्छा गुण क्या है?

   a. शिक्षा का अभाव

   b. जनसंख्या की अधिकता

   c. बहुत दलीय पद्धति

   d. नागरिकों की गरिमा में वृद्धि

2. लोकतंत्र में निर्णय लेने और क्रियान्वयन में देरी क्यों हो जाती है?

   a. सरकार फैसले लेने से डरती है।

   b. सरकारी निर्णय लेने में हिचकिचाती है।

   c. लोकतंत्र विचार विमर्श और बातचीत के विचार पर आधारित है।

   d. एक लोकतांत्रिक सरकार त्वरित निर्णय लेने में रुचि नहीं रखती है।

3. लोकतंत्र का कौन सा सही गुण नहीं हो सकता है?

   a. समानता का पोषक

   b. व्यक्ति की गरिमा में वृद्धि

   c. बहुसंख्यक उनका शासन

   d. विभिन्नताओं में सामंजस्य की क्षमता

4. लोकतंत्र के परिणामों का सही आधार क्या है?

   a. लोकतंत्र मूल की सरकार

   b. समय और धन का अपव्यय

   c. विविधताओं का साम्राज्य

   d. एक उत्तरदायी शासन व्यवस्था

5. इनमें से किस देश में आधी आबादी गरीबी में रहती है?

   a. भारत b. बांग्लादेश

   c. श्रीलंका d. पाकिस्तान

© JCERT not to be republished

## लघु उत्तरीय प्रश्न

6. लोकतांत्रिक सरकार की मुख्य विशेषताएं लिखिए।
7. लोकतंत्र को सबसे अच्छा शासन व्यवस्था क्यों कहा गया है?
8. लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में पारदर्शिता क्या है?

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

9. लोकतांत्रिक व्यवस्था तानाशाही शासन व्यवस्था से किस प्रकार बेहतर है?
10. लोकतंत्र किस तरह उत्तरदायी जिम्मेदार और वैध सरकार का गठन करता है?

## बहुविकल्पीय प्रश्नों का उत्तर

1.d 2. c 3. c 4.d 5.b

© JCERT not to be republished